



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 221]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 7, 1990/ज्येष्ठ 17, 1912

No. 221]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 7, 1990/JYAISTHA 17, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 जून, 1990

सा. का. नि. 556(अ) :— केन्द्रीय सरकार, साधारण
खंड अधिनियम, 1897 (1897 का 10) की धारा 22
के साथ पठित रेल अधिनियम, 1989 (1989 का 24)
की धारा 60 की उपधारा (2) के खंड (ड) और खंड
(अ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संक्रामक
या सांसर्गिक रोगों में पीड़ित यात्रियों के वहन के लिए निम्न-
लिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम :— (1) इन नियमों का संक्षिप्त
नाम संक्रामक या सांसर्गिक रोग पीड़ित यात्री वहन नियम,
1990 है। (2) ये रेल अधिनियम, 1989 (1989 का
24) के लागू होने की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

1500GI/90

2. किसी संक्रामक या सांसर्गिक रोग से पीड़ित व्यक्ति

(1) रेल प्रशासन, निम्नलिखित संक्रामक या सांसर्गिक
रोगों से पीड़ित व्यक्तियों को, इन नियमों में अधिकृत
जननों के अनुसार ही वहन करेगा, अन्यथा नहीं :—

(1) प्रमस्तिष्क मेरु तंत्रिकाशोथ

(2) छोटी माता

(3) हैजा

(4) डिफ्थीरिया

(5) कुष्ठ

(6) खसरा

(7) मम्प्स

(8) एड्स

(9) स्कारलेट ज्वर

(10) टाइफस ज्वर

(1)

(11) टाइफाइड ज्वर, और

(12) काली खांसी

(2) उपनियम (1) की कोई बात ऐसे संवृत (असंक्रामी) कुष्ठ रोगियों की वशा में लागू नहीं होगी जिनके पास उन्हें असंक्रामी प्रमाणित करने वाला किसी रजिस्ट्रकृत चिकित्सा व्यवसायी का प्रमाणपत्र है और ऐसा प्रमाणपत्र रेल परिसर के भीतर किसी रेल सेवक द्वारा मांग किये जाने पर वेश किया जाएगा।

(3) किसी ऐसे रोग से जो इस नियम के उपनियम (1) में उल्लिखित है, पीड़ित कोई व्यक्ति, स्टेशन मास्टर या ऐसे स्थान के जहाँ ऐसा व्यक्ति रेल में प्रवेश करता है, भारसाधक अन्य रेल सेवक की अनुज्ञा के बिना किसी रेल के डिब्बे में प्रवेश नहीं करेगा या नहीं रहेगा अथवा रेल गाड़ी में यात्रा नहीं करेगा।

(4) ऐसे अनुज्ञा देने वाले रेलसेवक, ऐसे रोग से पीड़ित व्यक्ति के अनुरोध पर, जो किसी कक्ष के आरक्षण के लिए प्रायिक संख्या में सवारी-भाड़े का संवाय करने के लिए सहमत है, ऐसे अन्य व्यक्तियों से जो रेल में या यात्रा कर रहे हैं, उसको अलग करने के लिए प्रबंध करेगा।

3. किसी संक्रामक या सांसर्गिक रोग से ग्रस्त यात्रियों का निरोध :— जब किसी व्यक्ति को चिकित्सा अधिकारी द्वारा किसी रेल स्टेशन पर नियम 2 के उपनियम (1) में निविष्ट संक्रामक या सांसर्गिक रोग के फैलने को रोकने के अध्युपाय के रूप में निरुद्ध किया जाता है और जब ऐसा यात्री रेल गाड़ी से ऐसी यात्रा को, जिसके लिए टिकट जारी किया जाता है, जारी रखने में अग्रसर है और मार्ग में यात्रा विराम के लिए अधिकथित निबंधनों के अनुसार उसकी उपलब्धता अवधि अधिक हो जाती है तब स्टेशन मास्टर, चिकित्सा अधिकारी के प्रमाणन के प्राधिकार के आधार पर टिकट के पीछे निम्नलिखित पृष्ठांकन करके आगे की यात्रा के लिए टिकट उपलब्ध कराएगा :—

“————— (स्टेशन) से सं. —————
रेलगाड़ी ————— (तारीख) द्वारा उपलब्ध” और
अपने पूरे हस्ताक्षर करेगा।

[सं. टी. सी. 11/2013/89/रेलवे बिल]
एस. के. मलिक, संयुक्त निदेशक, (आर. ए. आर.)
(रेलवे बोर्ड)।

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th June, 1990

G.S.R. 556 (E) :—In exercise of powers conferred by clauses (e) and (f) of sub-section (2) of section 60 of the Railways Act, 1989, (24 of

1989), read with section 22 of the General Clause Act, 1897 (10 of 1897), the Central Government hereby makes the following rules for carriage of passengers suffering from Infections or Contagious diseases, namely :—

1. Short title —(1) These rules may be called the carriage of Passengers Suffering from Infectious or Contagious Diseases Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of commencement of the Railways Act 1989 (24 of 1989).

2. Persons suffering from any Infectious or Contagious diseases—

(1) A railway administration shall not carry, except in accordance with the conditions laid down in these rules, persons suffering from the following infectious or contagious diseases :—

- (i) Cerebro-Spinal meningitis,
- (ii) Chicken-pox,
- (iii) Cholera,
- (iv) Diphtheria,
- (v) Leprosy,
- (vi) Measles,
- (vii) Mumps,
- (viii) AIDS
- (ix) Scarlet fever,
- (x) Typhus fever,
- (xi) Typhoid fever, and
- (xii) Whooping cough.

(2) Nothing in sub-rule (1) shall apply in the case of closed (non-infective) leprosy patients carrying a certificate from a Registered Medical Practitioner certifying them to be non-infective and such a certificate shall be produced on demand inside railways premises by any railway servant.

(3) A person suffering from any of such diseases, as mentioned in sub-rule (1) of this rule, shall not enter or remain in any carriage on a railway or travel in a train without the permission of the Station Master or other railway servant incharge of the place where such person enters upon the railways.

(4) A railway servant giving such permission may, on the person suffering from the disease, agreeing to pay the usual number of fares for reserving a compartment, arrange for his separation from other persons being or travelling upon the railway.

3. Detention of Passengers attacked with any Infectious or Contagious diseases—When a passenger is detained at railway station by a Medical Officer, as a measure for prevention of the spread of infectious or contagious diseases referred to in sub-rule (1) of rule 2 and when such a passenger is unable to continue the Journey

by the train for which the ticket is issued and the period of its availability in terms laid down for break of journey en route is exceeded, the Station Master on the authority of certificate from the Medical Officer, shall make the ticket available for the further journey by an endorsement on the back of the ticket as under : —

“Available by No. ———— Train ————
(date) from ———— (Station)” and
sign his name in full.

[No. TCH/2013/89/Rly. Bill]
S.K. MALIK Jt. Director (RAR)
Railway Board.

